हिन्दुस्तान

एमएसएमई से 2.5 करोड़ रोजगार सृजित

संगोष्ठी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना डा. नवनीत सहगल ने कहा है कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य में लगभग 90 लाख एमएसएमई इकाइयों को स्थापित किया गया, जिसमें करीब चार लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया। इससे लगभग 2.5 करोड़ रोजगार सृजित हुए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सकारात्मक विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

उन्होंने यह बातें बुधवार को यहां योजना भवन में उत्तर प्रदेश की प्रगति पर मंथन के लिए आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहीं। जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान और उ.प्र.सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के साझा सहयोग से आयोजित इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कई शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों की हिस्सेदारी रही।

योजना भवन में बुधवार को उत्तर प्रदेश की प्रगति पर आयोजित संगोष्ठी में बड़ी संख्या में विषय विशेषज्ञों और यूपी सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

संगोष्ठी का उद्घाटन योजना, कार्यक्रम कार्यान्वयन और विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव आलोक कुमार ने किया।

गोविंद वल्लभ पंत सोशल साइंस इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. बद्री नारायण ने उत्तर प्रदेश विकास समीक्षा रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने रिपोर्ट लेखन के लिए रोड मैप पर भी प्रकाश डाला। सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज यूनिवर्सिटी आफ बाथ यू.के. के प्रख्यात अर्थशास्त्री प्रो.संतोष मेहरोत्रा ने उत्तर प्रदेश के मानव विकास की स्थिति के बारे में चर्चा की। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डा. शमिका रवि ने सुझाव दिया कि बेरोजगारी से निपटने के लिए स्टार्ट अप समाधान हैं। प्रोफेसर प्रदीप भार्गव ने उत्तर प्रदेश के आर्थिक आंकड़ों के बारे में जानकारी दी। शिक्षाविद् प्रो.अशोक पंकज ने कहा कि सरकारी स्कूल समानता के सिद्धांत पर आधारित हैं, सरकारी स्कूलों में पठन-पाठन इसी आधार पर होना चाहिए।